विषयानुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

पहला अध्याय 1-81

समकालीनता और उदय प्रकाश

1.1 समकालीनता का अर्थ
1.2 परिभाषा
1.3 आधुनिकता
1.4 समकालीन परिस्थितियाँ
    1.4.1 नवऔपनिवेशिक स्थितियाँ
1.5 भूमंडलीकरण के खतरनाक घटक
    1.5.1 अंतर्राष्ट्रीय उद्योग
    1.5.2 उदारीकरण (Liberalisation)
    1.5.3 निजीकरण (Privatization)
    1.5.4 नवउदारवाद (Neo Liberalisation)
    1.5.5 विशेष आर्थिक क्षेत्र (Special Economic Zone)
    1.5.6 बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ
    1.5.7 विदेशी पूँजी का निवेश (Foreign Capital Investment)
1.6 आज भूमंडलीकरण को सशक्त बनानेवाले संगठन एवं नीतियाँ
    1.6.1 गाट (GATT - General Agreement on Tariff and Trade)
    1.6.2 विश्व व्यापार संगठन (World Trade Organisation)
    1.6.3 अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक
1.7 सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य
1.8 राजनीतिक एवं धार्मिक स्थितियाँ
1.9 भारत का आर्थिक परिवेश

1.10 समकालीनता का साहित्य

1.11 विमर्श

1.12 समकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ

- 1.12.1 भूमंडलीय संस्कृति की चुनौतियाँ
- 1.12.2 स्त्री विमर्श
- 1.12.3 दलित विमर्श
- 1.12.4 आदिवासी विमर्श
- 1.12.5 पारिस्थितिक विमर्श
- 1.12.6 बालविमर्श
- 1.12.7 वृद्धविमर्श
- 1.12.8 विकलांग विमर्श
- 1.12.9 सांप्रदायिकता का प्रतिरोध

1.13 समकालीन साहित्य की भाषा

1.14 उदय प्रकाश : व्यक्ति एवं कृतिकार

- 1.14.1 उदय प्रकाश का व्यक्तित्व
  - 1.14.1.1 जन्म
  - 1.14.1.2 माता-पिता
  - 1.14.1.3 परिवार
  - 1.14.1.4 व्यक्तित्व
  - 1.14.1.5 शिक्षा
  - 1.14.1.6 कार्यक्षेत्र
- 1.14.2 उदय प्रकाश का रचना संसार
  - 1.14.2.1 कहानीकार उदय प्रकाश
  - 1.14.2.2 कवि उदय प्रकाश
  - 1.14.2.3 अनुवादक उदय प्रकाश
  - 1.14.2.4 उदय प्रकाश की भारतीय एवं विदेशी भाषाओं में अनूदित कृतियाँ
  - 1.14.2.5 उनकी अनूदित रचनाएँ

1.15 अन्य पहचान : साहित्यिक अध्ययन एवं यात्राएँ
1.16 निबंध एवं साक्षात्कारों का संकलन
1.17 फिल्म निर्माता - निर्देशक एवं पटकथाकार उदय प्रकाश
1.18 पुरस्कार एवं सम्मान
1.19 निष्कर्ष

दूसरा अध्याय 82-173

उदय प्रकाश की रचनाओं में नवऔपनिवेशिक स्थितियाँ और उसका प्रतिरोध

2.1 साम्राज्यवादी साजिश का प्रतिरोध
2.1.1 स्थानीयता
2.1.2 गाँव
2.1.3 आमजनता
2.1.4 श्रमिक लोग
2.1.5 किसान
2.1.6 स्थानीय कवि
2.1.7 भाषा
2.2 नवऔपनिवेशिक स्थितियाँ
2.2.1 उपभोक्तावाद : भूमंडलीकरण की संस्कृति
2.2.2 उपभोक्तवाद : कुछ परिभाषाएँ
2.2.3 वस्तु में तब्दील होती स्त्री
2.2.4 कार्लगेल बननेवाली स्त्रियाँ
2.2.5 सीमातीत इन्द्रिय बोध
2.2.6 बाज़ारु संस्कृति
2.3 विज्ञापन एवं ब्रांड संस्कृति
2.3.1 विज्ञापन के गिरफ्त में पडी यवापीढ़ी
2.3.2 स्त्रियों की मॉडल बनने की ललक
2.3.3 ब्रांड चीज़ों में स्त्री
2.3.4 विज्ञापन और बुजुर्ग-लोग

2.4 विस्थापन का यथार्थ
2.4.1 विकास योजना
2.4.2 मानसिक विस्थापन
2.5 निष्कर्ष

तीसरा अध्याय 174-228

उदय प्रकाश की रचनाओं में स्त्री, दलित एवं आदिवासी

3.1 स्त्री
3.1.1 स्त्री के विभिन्न रूप
3.1.1.1 माता
3.1.1.2 बहन
3.1.1.3 स्त्री भ्रूणहत्या
3.1.1.4 पत्नी
3.1.1.5 बलात्कार की शिकार होनेवाली स्त्री
3.2 दलित
3.2.1 दलित स्त्री : बलात्कार की शिकार
3.2.2 स्वत्वहनन
3.2.3 प्रतिरोधी दलित युवापीढी
3.2.4 विद्यालयों में शोषित दलित
3.3 आदिवासी
3.3.1 आदिवासी स्त्रियों का शोषण
3.3.2 आदिवासी विकास परियोजनाओं का खोखलापन
3.4 निष्कर्ष

चौथा अध्याय 229-293

उदय प्रकाश की रचनाओं में व्यक्ति और व्यवस्था

4.1 व्यक्ति और व्यवस्था
4.2 लोकतांत्रिक व्यवस्था
4.3 आर्थिक व्यवस्था
4.3.1 संबन्धों का अर्थीकरण

4.4 भ्रष्ट राजनीतिक व्यवस्था
4.4.1 राजनीतिज्ञों की गुंडागर्दी
4.5 धार्मिक व्यवस्था
4.5.1 धार्मिक अंधविश्वास एवं दुराचार
4.5.2 ब्राह्मणवाद का विरोध
4.6 न्याय व्यवस्था
4.7 पुलिस व्यवस्था
4.7.1 पुलिस एवं गुंडों का रिश्ता
4.7.2 चोर एवं पुलिस का संबन्ध
4.8 पत्रकार और रचनाकार की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का निषेध
4.9 निष्कर्ष

पाँचवाँ अध्याय 294-363

उदय प्रकाश की रचनाओं के अन्य पहलू

5.1 घर-परिवार
5.2 बेरोज़गारी
5.3 शिक्षा का औद्योगीकरण
5.4 साम्प्रदायिकता
5.5 प्रेम
5.6 पारिस्थितिकी
5.7 लोक संस्कृति
5.8 गाँधी चिंतन
5.9 मज़दूर
5.10 बालविमर्श
5.11 वृद्धों का यथार्थ
5.12 इतिहासबोध
5.12.1 इतिहासबोध की परिभाषा
5.13 निष्कर्ष

छठा अध्याय 364-433

उदय प्रकाश की रचनाओं का शिल्प पक्ष

6.1 शिल्प : अर्थ एवं परिभाषाएँ

6.2 उदय प्रकाश की रचनात्मक टेकनिक

6.3 वस्तु

- 6.3.1 भूमंडलीकरण की खतरनाक परिणितियाँ
- 6.3.2 उपभोग संस्कृति
- 6.3.3 गाँव शहर का द्वन्द्व
- 6.3.4 विकास और प्राकृतिक नाश
- 6.3.5 आदिवासियों एवं दलितों की अस्मिता
- 6.3.6 व्यवस्था विरोध
- 6.3.7 साम्प्रदायिकता का विरोध

6.4 थल-काल

6.5 पात्र-परिकल्पना

6.6 संवाद

6.7 रचना शैली

- 6.7.1 जादुई यथार्थ
- 6.7.2 आत्मकथात्मक शैली
- 6.7.3 पत्रात्मक शैली
- 6.7.4 व्यंग्यात्मक शैली
- 6.7.5 उपशीर्षक शैली
  - 6.7.5.1 निबन्धों में उपशीर्षक शैली
  - 6.7.5.2 कविताओं में उपशीर्षक शैली
- 6.7.6 डॉट्स शैली
- 6.7.7 डायरी शैली
- 6.7.8 एकालाप शैली
- 6.7.9 वेरचुअल रियालिटी शैली
- 6.7.10 काव्यात्मक शैली

6.8 मुहावरे
6.9 लोकोक्ति
6.10 भाषा
6.10.1 ध्वन्यात्मकता
6.10.2 जनजीवन से जुडी भाषा/आंचलिक भाषा
6.10.3 चिंतन प्रधान भाषा
6.10.4 मणिपूरी भाषा
6.10.5 सिन्धी भाषा
6.10.6 भोजपुरी
6.10.7 अखबारों की भाषा
6.10.8 चित्र छवि की भाषा
6.10.9 असभ्य भाषा
6.10.10 प्रेम की भाषा
6.10.11 अंग्रेज़ी भाषा
6.10.12 मिश्रित भाषा
6.10.13 अंग्रेज़ी कविता
6.10.14 अरबी-फारसी
6.10.15 समानार्थी शब्द
6.10.16 चिकित्सा क्षेत्र का शब्द
6.10.17 नारे की भाषा
6.11 प्रतीक
6.12 निष्कर्ष

उपसंहार 434-441

परिशिष्ट 442-443

संदर्भ ग्रन्थ सूची 444-460